



राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, म.प्र.

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार)



पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन

पर्यावरण परिसर, ई-5, अरेरा कॉलोनी

भोपाल-462016 (म.प्र.)

वेबसाइट—<http://www.mpseiaa.nic.in>

दूरभाषन. — 0755-2466970, 2466859

फैक्सन. — 0755-2462136

No. 432 / SEIAA/2025

Date: 24/05/2025

प्रति,

Shri Gagan Grover,

Ward No.4, Khalwara Bazar, Kymore,

Khalwara, Katni (M.P.)

E-mail - grovergagan2709@gmail.com

विषय :- Proposal No. SIA/MP/MIN/474490/2024- Case No. 9291/2022 Prior Environment Clearance for Stone Mine (Opencast semi mechanized method) for production capacity of 1,35,184 cum per annum, in an area of 3.75 ha., Khasra No. 1055, 1055/1539, 1055/1546 & 1073, Village Bichpura, Tehsil Barhi, District Katni (M.P.) by Shri Gagan Grover, Ward No.4, Khalwara Bazar, Kymore, Khalwara, Katni (M.P.).

विषयान्तर्गत प्रकरण में राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) द्वारा 765वीं बैठक दिनांक 07.06.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण अनुमति प्रदान किये जाने की अनुशंसा कर प्रकरण दिनांक 08.06.2024 को राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) को अग्रेषित किया गया। प्रश्नाधीन प्रकरण SEIAA की बैठक में विचारण नहीं होने के कारण 45 दिवस से अधिक की अवधि समाप्त हो गई है।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ईआईए अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के पैरा 8 की कंडिका (iii) इस प्रकार है - "In the event that the decision of the regulatory authority is not communicated to the applicant within the period specified in sub-paragraphs (i) or (ii) above, as applicable, the applicant may proceed as if the environment clearance sought for has been granted or denied by the regulatory authority in terms of the final recommendations of the Expert Appraisal Committee or State Level Expert Appraisal Committee concerned."

अतः ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार उक्त प्रकरण में SEAC की 765वीं बैठक दिनांक 07.06.2024 में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों (संलग्नक-ए) सहित पर्यावरण स्वीकृति हेतु की गई अनुशंसा को अंतिम निर्णय मानते हुए राज्य स्तरीय समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा "Deemed Approval" माना जाकर पर्यावरण अनुमति दी जाती है। तदनुसार प्रकरण में ईआईए अधिसूचना के पैरा 8 की कंडिका (iii) के अनुसार आगामी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु आप स्वतंत्र हैं।

(प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग द्वारा अनुमोदित)

24/05/25

(श्रीमन् शुक्ला)

कार्यपालन संचालक, एप्को

एवं सदस्य सचिव, SEIAA

प्रतिलिपि:-

1. प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
2. संयुक्त सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली - 110003।
3. उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय म.प्र. शासन, मंत्रालय भोपाल (म.प्र.)।
4. अध्यक्ष, SEIAA, एप्को पर्यावरण परिसर भोपाल (म.प्र.)।
5. अध्यक्ष SEAC, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.)।
6. सदस्य सचिव, SEAC एवं सदस्य सचिव, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल।
7. कलेक्टर, जिला कटनी (म.प्र.)।
8. वन मंडलाधिकारी, जिला कटनी (म.प्र.)।
9. निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन, लिंक रोड़ नं. 03, रवि शंकर नगर, भोपाल।
10. संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश, 29-ए, खनिज भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462002।
11. खनिज अधिकारी, जिला कटनी (म.प्र.)।
12. संबंधित फाईल।

की ओर सूचनार्थ।



कार्यपालन संचालक, एप्को
एवं सदस्य सचिव, SEIAA

A

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 07 जून 2024

16. Case No. 9291/2022 Shri GAGAN GROVER, OWNER, WARD NO.4, KHALWARA BAZAR, KYMORE, KHALWARA, KATNI (M.P.) Prior Environment Clearance for Stone Mine in an area of 3.75 ha. (1,35,184 cum per annum) (Khasra No. 1055, 1055/1539, 1055/1546 & 1073) Village Bichpura, Tehsil Barhi, District Katni (M.P.) SIA/MP/MIN/474490/2024. EIA.

प्रस्तावित खदान बी-1 नवीन श्रेणी के अंतर्गत नवीन पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 07/06/2024 को परियोजना प्रस्तावक श्री गगन ग्रोवर ऑनलाइन जुड़े एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्रीराम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्री गगन ग्रोवर आत्मज श्री आर.सी. ग्रोवर निवासी खलवारा बाजार, बस स्टैंड कैमरे, तहसील – कटनी (म.प्र.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	खसरा नंबर – 1055, 1055/1539, 1055/1546 व 1073 (निजी भूमि – नॉन फॉरेस्ट लैंड)	3.750 हेक्टेयर
स्थल	ग्राम – बिचपुरा, तहसील – बरही, जिला – कटनी (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, भोपाल मध्यप्रदेश के पत्र क्रमांक 1439-40 दिनांक 10/09/2020 के द्वारा स्वीकृत है।	
अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर का उल्लेख करें।	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है।	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	नवीन – लागू नहीं	
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट / बी-1	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	नवीन – लागू नहीं	
टॉर यदि लागू हो तो विवरण दें।	सेक की 594वीं बैठक दिनांक 21.09.2022 को अनुशंसित, सिया के पत्र क्रमांक 1906/SEIAA/22 दिनांक 26.10.2022 के द्वारा 1,35,184__घनमीटर/वर्ष पत्थर के लिए टॉर जारी किया गया है,	

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 07 जून 2024

	जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई है ।
उत्पादन क्षमता एवं प्रतिवर्ष उत्पादन	परियोजना प्रस्तावक द्वारा अधिकतम उत्पादन क्षमता 1,35,184 घनमीटर/वर्ष पत्थर हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता 1,35,184 घनमीटर/वर्ष पत्थर है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक खनिज/ख.प./2022/1623 दिनांक 7/07/2022 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 05 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत हैं, इस प्रकार इस खदान को मिलाकर कुल रकबा 14.12 हे. होता है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	<p>कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक खनिज/ख.प./2022/1623 दिनांक 7/07/2022 अनुसार वनमंडलाधिकारी, सामान्य वनमंडल कटनी से प्राप्त प्रतिवेदन पत्र क्रमांक 1649 दिनांक 01-06-2019 अनुसार आवेदित क्षेत्र पनपथा अभ्यारण्य (कोर) से लगभग 9.75 कि.मी. की दूरी पर स्थित हैं जिसके सन्दर्भ में वनमंडलाधिकारी, सामान्य वनमंडल कटनी से प्राप्त अनापत्ति पत्र क्रमांक 3159 दिनांक 24-04-2024 अनुसार</p> <p>उक्त ईकोसेंसेटिव जोन की भारत राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना दिनांक 13 दिसम्बर 2016 में दिये गये विवरण अनुसार परिभाषा निम्नानुसार है</p> <p>1. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान और पनपथा वन्यजीव अभ्यारण्य जो कि बांधवगढ़ व्याघ्र आरक्षिती का कोर क्षेत्र गठित करता है, की सीमा से 2 कि.मी. तक विस्तारित परिस्थितिक संवेदी जोन 1030.382 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में है।</p> <p>अतः उक्त विवरण अनुसार आवेदित स्थल की दूरी बांधवगढ़ ईको संवेदी जोन से गणना की गई जो कि मौके पर लगभग 1537 मीटर है तथा ईकोसेंसेटिव जोन (बफर जोन) एवं आवेदित स्थल की के०एम०एल० अनुसार गूगल मानचित्र पर दूरी लगभग 1482 मीटर है।</p> <p>नेशनल पार्क एवं जैव विविधता 10 की.मी. की परिधि पर नहीं हैं एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।</p>
तहसीलदार की	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी के एकल

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 07 जून 2024

अनापत्ति	प्रमाण-पत्र क्रमांक खनिज/ख.प./2022/1623 दिनांक 7/07/2022 अनुसार तहसीलदार तहसील बरही के प्रतिवेदन दिनांक 08-03-2019 अनुसार आवेदित क्षेत्र से 100 मी. की दूरी पर 4-5 मकान खसरा नंबर 1074/1 पर बिट्टीबाई पत्नी धन्नुलाल गुप्ता की भूस्वामी स्वत्व की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित हैं , शेष जानकारी 500 मी. की परिधि पर नहीं हैं ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत बिचपुरा जिला कटनी के ठहराव प्रस्ताव दिनांक 05.10.2019 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
केशर की स्थिति (लीज के बाहर या लीज क्षेत्र के अन्दर)	लीज क्षेत्र में प्रस्तावित नहीं हैं
प्रस्तावित स्थल पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	लीज में स्थित पेड़ों का विवरण- 1 काटे जाने वाले पेड़ों की संख्या-10
प्रस्तावित स्थल की गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	<p>पश्चिम दिशा - परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह अवगत करवाया गया की पश्चिम दिशा में खसरा क्र. 1059 जोकि शासकीय भूमि हैं व खसरा क्र. 1066 जोकि व्यवसाय हेतु आवंटित हैं, इन दोनों खसरा क्र. में स्थित मकानों में आसपास की खदानों में कार्यरत लेबर निवासृत हैं , बहरहाल यह निकटतम आबादी क्षेत्र खदान क्षेत्र से पश्चिम दिशा में 130 मी. की दूरी पर स्थित है जिससे एन.जी.टी. निर्देशों का अनुपालन किया जावेगा (ब्लास्टिंग के लिए दूरी मानदंड 200मी.) जिसके तहत 130 मी. पर आ रहे रहे घर/संरचना को निकटतम संवेदनशीलता ध्यान में रखते हुए 70 मी. का सेट बैक प्रस्तावित किया गया है, उक्त संरचना से 200 मीटर तक कोई खनन कार्य नहीं किया जावेगा ।</p> <p>दक्षिण दिशा- दक्षिण दिशा में 35 मी. पर आ रहे कुछ कच्चे घर/झोपड़ियाँ सर्वे नंबर 1073 पर स्थित हैं जो की प्रस्तावक की निजी भूमि पर हैं जिसके सम्बन्ध में प्रस्तावक ने अवगत करवाया की विशेष रूप से यह है कि ये घर प्रारंभ में कृषि संबंधी वस्तुओं</p>

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 07 जून 2024

	<p>के भंडारण के उद्देश्य से निर्मित किए गए थे एवं इनमें कोई निवास नहीं करता व पर्यावरण स्वीकृति के पश्चात् खनन के उद्देश्यों के लिए पुनःउपयोगित किये जाएंगे जो मशीनरी के भंडारण और साइट कार्यालय के रूप में उपयोग किये जाएंगे।</p> <p>दक्षिण पश्चिम दिशा – दक्षिण पश्चिम दिशा में 70 मी. पर आ रहे कुछ कच्चे घर/झोपड़ियाँ सर्वे नंबर 1071 व 1072 पर स्थित हैं जिसके संबंध में प्रस्तावक ने अवगत करवाया कि यह घर उनके ज्येष्ठ भाई की निजी भूमि पर हैं, जिसके सम्बन्ध में प्रस्तावक ने उनके भाई से सपथ पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जिसमें लेख किया गया कि – चूँकि ये विशेष रूप से कृषि सम्बंधित सामान मशीनरी एवं चारा भूसा आदि रखने हेतु उपयोग में लिए जाते हैं एवं इनमें कोई निवास नहीं करता, परिणाम स्वरूप इन्हें गगन ग्रोवर के द्वारा उनके स्वीकृत क्षेत्र में खनन कार्य करने से कोई आपत्ति नहीं और इनके खसरे में आ रहे जो निवास हेतु योग्य घर हैं उनको गगन जी की खदान में कार्यरत श्रमिकों के लिए आश्रय स्थल के रूप में उपयोग हेतु प्रदान किये जाएंगे।</p> <p>दक्षिण पूर्व – दक्षिण पूर्व दिशा में 70 मी. पर आ रहे 4.5 कच्चे घर सर्वे नंबर 1074/1 पर स्थित हैं जो की निजी भूमि हैं जिसके सम्बन्ध में तहसीलदार द्वारा मोका मुआएना किया गया तथा यह स्पष्टीकरण दिया कि उक्त माकन किसी और की निजी भूमि पर कब्जा कर बनाये गए हैं, जिसका वर्णन एकल प्रमाण पत्र में भी किया हुआ है। व प्रस्तावक ने अवगत करवाया कि विशेष रूप से यह है कि ये घर प्रारंभ में कृषि संबंधी वस्तुओं के भंडारण के उद्देश्य से निर्मित किए गए थे एवं इनमें कोई निवास नहीं करता</p> <p>उत्तर दिशा – आस पास के उत्खनि पट्टों के साइट ऑफिस स्थित है</p>
जन सुनवाई	<p>प्रस्तावित खदान की दिनांक 10/02/2023 को संपन्न हुई रोजगार दिया जाये गोँव में विकास हेतु कार्य किये जाये पानी का छिड़काव किया जाये</p>

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 07 जून 2024

	वृक्षारोपण का प्रबंध किया जाये उपरोक्त आपत्तियों/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना/सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 60 के सरल क्रमांक-183 पर दर्ज है ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता – 1,35,184 घनमीटर/वर्ष पत्थर
2. परियोजना प्रस्तावक के अनुसार लीज क्षेत्र में केशर प्लान्ट प्रस्तावित नहीं है, अतः लीज क्षेत्र में केशर प्लान्ट स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जा सकेगी।
3. खनन क्षेत्र से बाहर प्रस्तावित माईन आधारित केशर प्लान्ट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
4. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 16.85 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 2.62 लाख प्रति वर्ष ।

S. No.	Particulars	Budget Provisions (Rs)	
	<u>For environment Protection</u>	Capital	Recurring
1	Hiring of water tanker (3,000L) @Rs 100/day (PP owned tanker) for 300 days – Rs 30,000/-	-	30,000
2	Garland Drain (1.5 m Wide & 1 m Deep & 937m Long) 1. Settling Tank is of 4m wide, 10m long & 2.5m deep. Settling Tank is of 4m wide, 10m long & 2.5m deep. All settling tanks will be of double “S” pattern.	1,30,000	10,000
3	A Development and maintenance of WBM approach Road length approx. 160 m, Width 5.5m (excluding shoulder)@ Rs 800/ meter	96,000	10000
	B Widening and maintenance of the existing kaccha road (Road length approx. 1500m, Width 5.5m- (edge to edge excluding shoulders) including the provision of rumble strips (@Rs1,000 each) and construction of a curve (minimum 10m dia @ Rs 10,000) at T junction where approach road meets the main road	1,00,000	15,000

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 07 जून 2024

4	Monitoring twice a year AAQM @10000/yr, Water@5000/yr, Noise@500/yr, Soil @4500/yr	NIL	20,000
5	. For Environment Protection		
	A. Within Lease Area in Barrier Zone & non mining @ 200rs./tree (2500nos) covering the whole periphery of mine lease area	5,00,000	10000
	- 1st year- 100nos on evacuation route up to 280m both side (@ Rs 300/tree)	30,000	
	- 2nd year-250nos at available places like Village School, etc. @Rs 200/plant -2nd year - 1660nos will be distributed to the nearby villagers @Rs 50/plant	50,000 83000	10,000
	A. Cost of fertile soil to be brought from outside @ Rs 250 per cubic meter. Each tree to take approx. 0.124 cubic meter, therefore approx 186 cubic meters to be utilized in the plantation 1200 trees	37000	
6	Wire fence (967m long) (@Rs 200/m)	1,93,400	10,000
7	PUC certification of vehicles (10 dumpers @ Rs 500 per dumper)	-	5000
8	Sowing of the Local seeds species, Dhatkumari slips, Prosopis seeds & Agew along the bund of proposed excavated garland drain & Settling tank	10000	-
9	Drinking Water Facility and rest shelter (30x 15 ft.) with solar light	1,00,000	8,000
10	2 number toilet (Rs 12,500/- per toilet)	25,000	2,000
11	Occupational health checkup for workers and villagers	Nil	40,000
12	Provision of PPEs (helmets, safety shoes, safety glasses, gloves including safety harness for the workers involved in blasting/drilling works for max 2 workers only - (40x Rs 2000+Rs 4,000 for safety harness @Rs 2000 per set)	84,000	2,000
13	Vocational training on mining methods and safe work practices	-	20,000
Emergency Rescue Plan			
14	Fire Fighting Equipments (2 Nos) @ 20000 / fire fighting and first aid @ 2000 per kit	42,000	5,000
15	Distribution of the Led bulb to the nearby villagers 1000 nos @ Rs100/bulb for the mitigation towards the carbon	1,00,000	-

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 07 जून 2024

Extra Other Budget			
16	Contribution in cluster management plan	-	40000
17	Miscellaneous Expenses such as follows : 1. One solar light, 2. Web site development & Maintenance 3. 2 Web Camera, 4. Display Board at mine entrance. Safety signage and warning boards like red flags, cones including reflectors	1,00,000	20,000
18	Solid Waste Management		
	a) Bins 2Nos @ Rs 1500 each	3,000	5,000
	b) Transport of Dry Waste	2,000	
	Total	16,85,400	2,62,000

5. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 3.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 06 माह में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद में प्रस्तावित गतिविधियाँ	राशि (रु.में)
आयुष्मान आरोग्य मंदिर ग्राम बिचपुरा में ग्राम के स्वास्थ्य व्यवस्थाओं हेतु उल्लेखित राशि भूप्रवेश मिलने के 06 माह के भीतर बैंक के खाते में जमा की जावेगी।	1,00,000/-
ग्राम बिचपुरा ग्राम में स्थित शासकीय विद्यालय विकास हेतु पालक शिक्षक संघ में विद्यालय विकास हेतु राशि भू प्रवेश प्राप्त मिलने के 06 माह के भीतर जमा की जावेगी ।	2,00,000/-
कुल	3,00,000/-

6. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4510 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

765वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 07 जून 2024

कं.	वृक्षारोपण हेतु प्रस्तावित स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1.	बैरियर जोन में वृक्षारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- सीताफल, आमला, आम, अमरुद, अनार, कटहल, निम्बू, जामुन, हाइब्रिड मुनगा आदि।	1000
2	गैर खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- सीताफल, आमला, आम, अमरुद, अनार, कटहल, निम्बू, जामुन, हाइब्रिड मुनगा आदि।	1500
3	खदान क्षेत्र के परिवहन मार्ग के दोनों ओर	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- करंज, पीपल, बरगद, पुतरंजीवा, कदम्ब इत्यादि।	100
4	शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरही में वृक्षारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- कदम्ब, करंज, नीम, सिस्सू, पीपल, पाकर, पुत्रंजीवा, आदि।	200
5	बिचपुरा गाँव में स्थित प्राथमिक शाला में वृक्षारोपण	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- कदम्ब, करंज, नीम, सिस्सू, पीपल, पाकर, पुत्रंजीवा, आदि।	50
6	पास के गाव के लोगो को एवं आस पास में स्थित खेतों के किसानों को पौधों का वितरण	स्थानीय पौधों की प्रजातियाँ जैसे:- संतरा, आमला, नींबू, सीताफल, आम, अनार, मुनगा, कटहल आदि।	1660

उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जाये एवं लीज अवधि तक उन पौधों का रख-रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन अवधि तक किया जाये। गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोवाई कर उनका संरक्षण किया जाना। परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गाँव का नाम, लाभान्वित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे।

अनुशंसा- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर उपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

17. Case No. 9975/2023 Shri SAROJ THAKUR, PROJECT PROPONENT, Village Bamhora, Tehsil Sagar, District Sagar, Madhya Pradesh. Prior Environment Clearance for Stone Mine in an area of 4.00 ha. (17,100 cum per annum) (Khasra

764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 05 जून 2024

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.

764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 05 जून 2024

19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland

764वी ए राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 05 जून 2024

and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.